योना

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

योना
वर्ष 760 ई. पू. यारोबाम द्वतिीय के अधीनता में इस्राएल देश राजनीतकि समृद्धि के समय का अनुभव कर रहा था।

लेकनि जैसा कि इस्राएल में कई राजा हुए... वे मूसा के नयिमों से फरि गए और “परमेश्वर की दृष्टि में बुराई की।”

इस्राएल के लोगों ने साफ़ और स्पष्ट रूप से सच्चे परमेश्वर की आराधना करने के लिए कह दिया था।

मंदिर यरूशलेम में था जिस जगह पर परमेश्वर की आराधना की जानी थी।

हालाँकि, यारोबाम द्वितीय के पास बहुत विजिता सैनिक थे, लेकिन उसकी एक बड़ी समस्या थी।

वह दूसरे राजा यारोबाम के पापों के अनुसार चला।

राजनीतकि सुरक्षा और वद्रिोह दोनों से बाहर, यारोबाम ने दान के क्षेत्र में दो सोने के बछड़ों को स्थापति कयिा।
वह चाहता था कि लोग वहाँ आएँ और यहोवा के नर्दिेशानुसार आराधना करें।

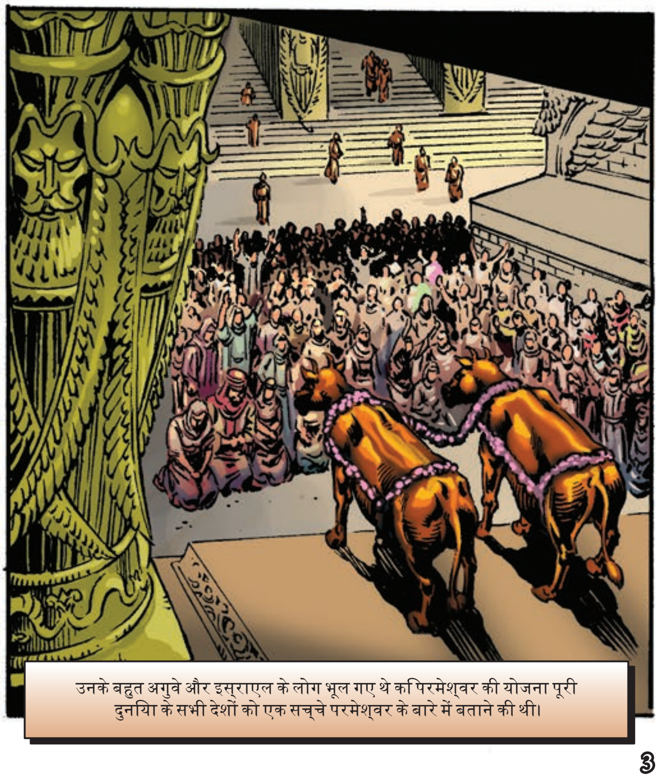
उनके बहुत अगुवे और इस्राएल के लोग भूल गए थे कि परमेश्वर की योजना पूरी दुनयिा के सभी देशों को एक सच्चे परमेश्वर के बारे में बताने की थी।

उन्हें याद दलिाने के लिए, परमेश्वर ने योना नामक एक व्यक्ति को भेजा।
योना परमेश्वर का एक भविष्यद्वक्ता था। उसे परमेश्वर के द्वारा लोगों के पास उसके वचन को पहुँचाने के लिए बुलाया और वशिष उपहारों से भरा गया था।
लेकनि एक दनि परमेश्वर ने योना को एक चतिति करनेवाली आज्ञा दी....
उठ, उस बड़े शहर, नीनवे को जा, और उसके वरिुद्ध प्रचार कर, क्योंकि उसकी दुष्टता मेरे सामने आ गई है।

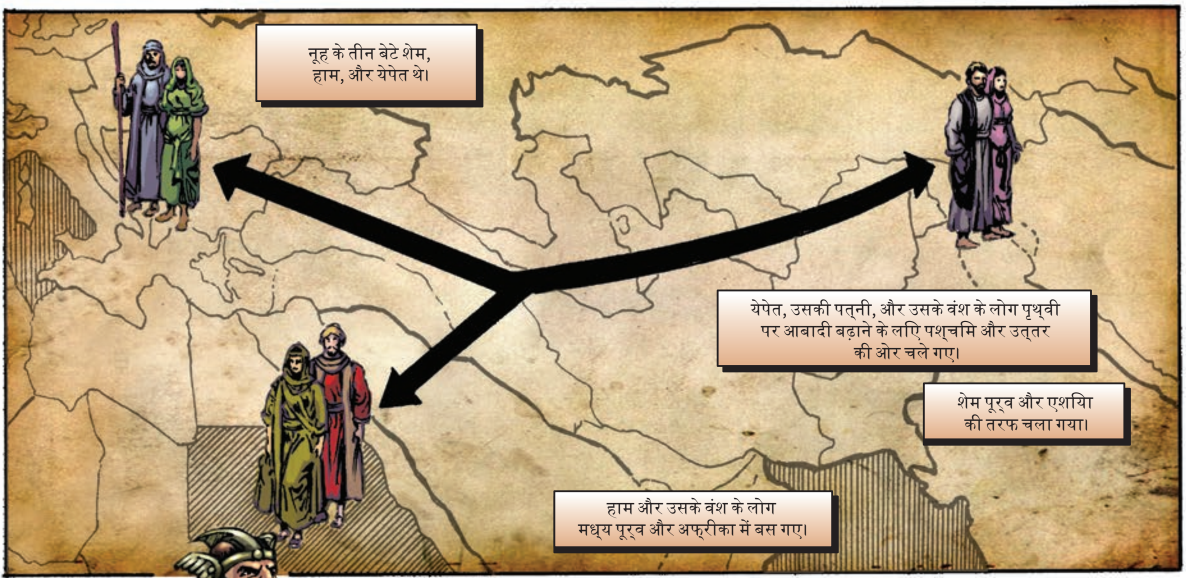

उत्पत्त‍ि 8:4 • उत्पत्त‍ि 10:8

नम्रिोद द्वारा बसाए हुए शहरों में से एक नीनवे था, जो क दिजला नदी के कनिारे पर स्थति था।
ध्यान दें: इराक में आधुनकि शहर मोसुल नदी के एक सरि से दूसरे सरि तक है।
नीनवे को कभी-कभी “लुटेरों का शहर” कहा जाता था क्योंक इिसने खुद को धनी बनाने के लएि अन्य देशों को लूटा और कुचला।
अपने साथी यहूदयिों की तरह, योना ने नीनवे का तरिस्कार कयिा और नीनवे के लोगों के प्रत बिहुत बुरी कामना की वे सभी भय का कारण थे।
लेकनि एक दनि योना ने उदासी भरे शब्दों को सुना...
बड़े शहर नीनवे में जा और उसके वरिुद्ध प्रचार कर, क्योंक उिसकी दुष्टता मेरे सामने आ गई है।

योना 1:2

योना ने तुरन्त परमेश्वर की योजना से बचने के लिए योजना बनाना शुरू कर दयाि।
वह नीनवे के लोगों से घृणा करता था और परमेश्वर उन्हें नाश कर दे इस कारण से खुश था।
इसलिए, उसने याफा से तर्शीश की ओर जाने वाले जहाज़ की ओर रुख कयाि कि-
- नीनवे से जतिनी दूर हो सके उतनी दूर चला जाए।
करों से या पत्नी से बचने के लिए – तर्शीश को जा रहा है?
दोनों में से कोई नहीं।
मेरा परमेश्वर, यहोवा।
वचिति्र नाम।
वचिति्र योजना...

लेकिन योना का ध्यान आकर्षित करने के लिए परमेश्वर के पास एक और योजना थी – समुद्र पर बहुत तेज़ हवा आई और एक प्रचण्ड तूफ़ान उत्पन्न हुआ।
... नाविकों ने अपने देवताओं को पुकारना आरम्भ किया।
कमोश – हमें बचा!!
महान **दागोन** – हमें बचा!!!
जहाज़ टूटने पर है!
सामान फेंकना शुरु करो – जहाज़ को हल्का करो!!
#@!*!
लेकिन आज्ञा न माननेवाला योना जहाज़ की निचली सतह में बहुत गहरी नींद में सो रहा था।
तू कैसे सो सकता है? उठ और अपने अनजाने ईश्वर को पुकार।
हो सकता है कि वह हमारी तरफ ध्यान दे और हम नाश होने से बच जाएँ।

आओ, हम चट्ठिी डालें और पता लगाएँ कि, इस महासंकट के लिए कौन जम्मिेदार है।
जसिके नाम पर चट्ठिी नकिलेगी - वही दोषी ठहरेगा।
...और चट्ठिी योना के नाम पर नकिली।
हमें बता, कहिमारे लिए यह सब संकट उत्त्पन्न करने के लिए कौन जम्मिेदार है?
तू कसि तरह का काम करता है? तू कहाँ से आया है?
तेरा देश कौन-सा है?
तू कनि लोगों में से है?

मैं एक इब्री हूँ और स्वर्ग के परमेश्वर, यहोवा की मैं आराधना करता हूँ, जिसने समुद्र और पृथ्वी को बनाया है।
तू हमें बता कि तू परमेश्वर से भाग रहा था।
अब हम तुझ पर भरोसा करते हैं!
तूने क्या किया है?
समुद्र खतरनाक और खतरनाक होता जा रहा था।
हमें तेरे साथ क्या करना चाहिए कि समुद्र शान्त हो जाए?
मुझे उठाओ और समुद्र में फेंक दो और वह शान्त हो जाएगा।
मैं जानता हूँ कि यह मेरी गलती है कि यह बड़ा तूफ़ान तुम पर आया है।

लोग योना को मारना नहीं चाहते थे और वे जहाज़ को खेकर तूफ़ान से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

लेकिन वे तूफ़ान से बाहर नहीं निकल सके और समुद्र पहले की तुलना में और भी भयानक हो गया।

योना 1:9-13

हे प्रभु, कृपया इस जन के प्राण लेने के बदले में हमें नष्ट न करना।
एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या के लिए हमें दोषी न ठहराना, हे प्रभु, तूने यह अपनी इच्छानुसार किया है।
जैसे ही हमने उसे पानी में फेंका...
समुद्र पूरी तरह से शान्त हो गया!
यह परमेश्वर जिसके विषय में योना ने कहा - यहोवा - वही सच्चा परमेश्वर है!
इसका कोई वर्णन नहीं हो सकता!
जल्दी! जाओ जो अनाज हमारे पास रह गया है लाओ, उसे हम इस परमेश्वर यहोवा के लिए भेंट स्वरुप जला देंगे।

योना 1:14-16

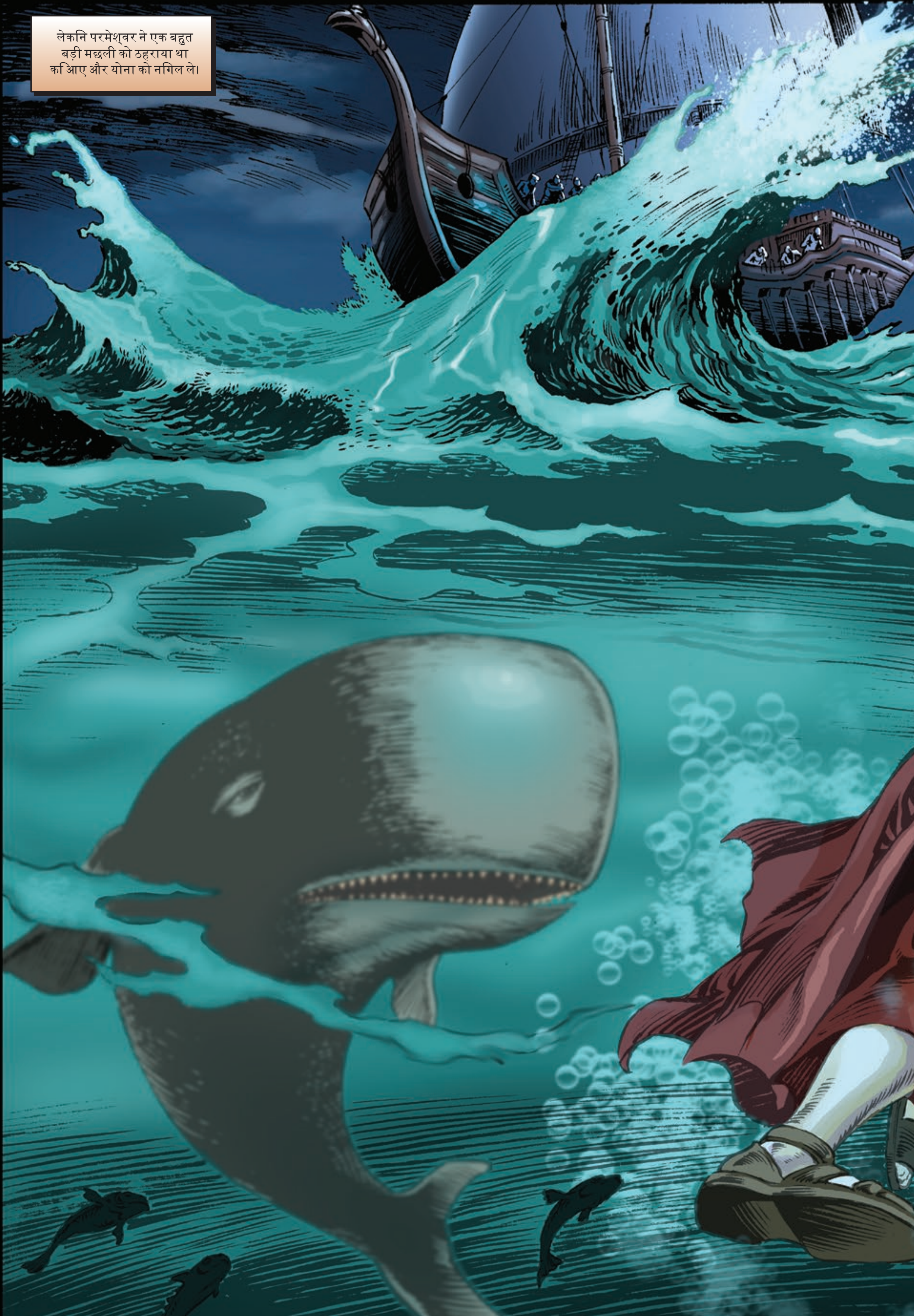
लेकनि परमेश्वर ने एक बहुत बड़ी मछली को ठहराया था कि आए और योना को निगल ले।

योना 1:17

उसके परमेश्वर, यहोवा ने, एक मछली को भेजा...
....उसे मारने के लिए!

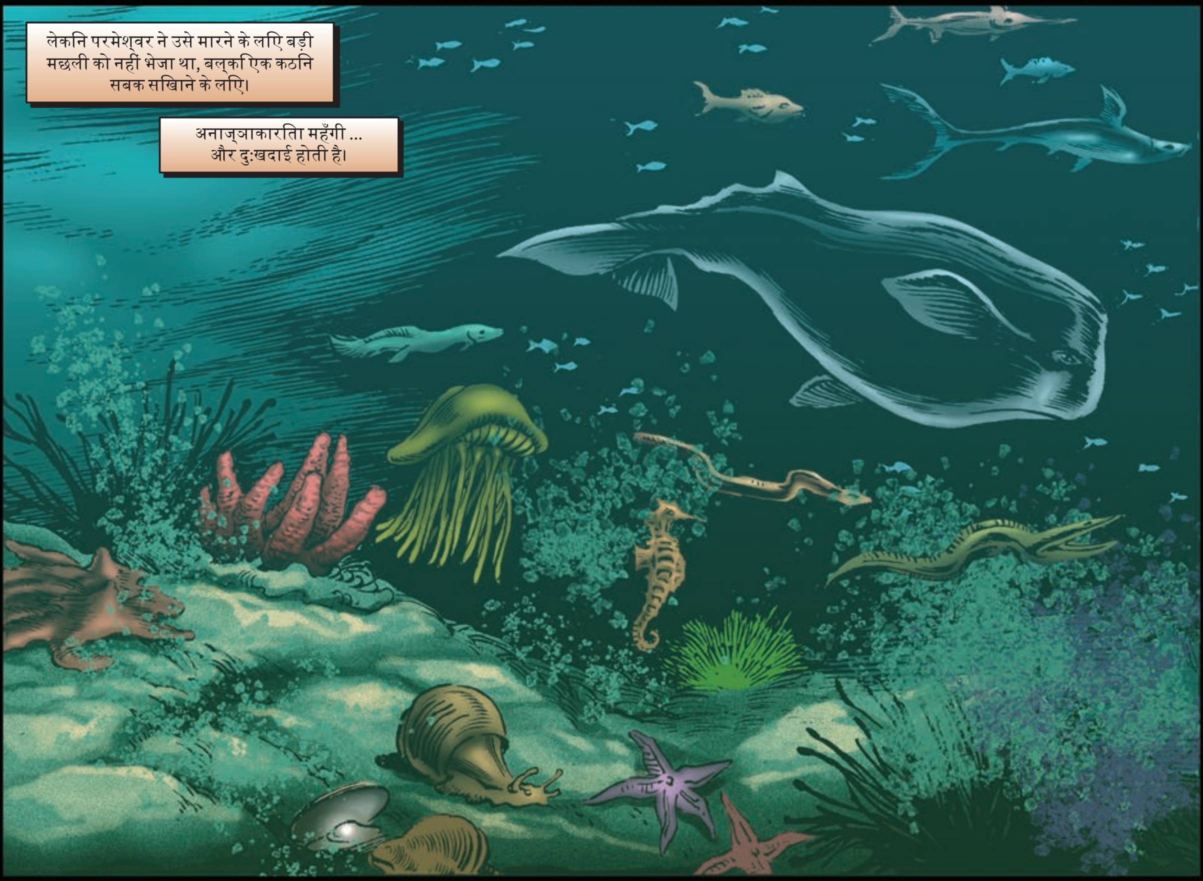
लेकिन परमेश्वर ने उसे मारने के लिए बड़ी मछली को नहीं भेजा था, बल्कि एक कठिन सबक सिखाने के लिए।
अनाज्ञाकारिता महँगी ... और दु:खदाई होती है।

परमेश्वर ने योना को नीनवे जाने के लिए निर्देश दिया था।
अगर योना वहाँ अपनी इच्छा से नहीं जाता, तो परमेश्वर सुनिश्चित करेगा कि उसे वहाँ किसी और तरीके से ले जाए।

परमेश्वर ने योना का ध्यान आकर्षित किया था। अब यह योना पर निर्भर करता है कि वह कैसी प्रतिक्रिया दे।
तीन दिन और तीन रात योना अँधेरे में पड़ा रहा।
उसने अपनी अनाज्ञाकारिता के विषय में विचार किया.... और प्रार्थना की।
उसकी प्रार्थना उसके बदले हुए हृदय को प्रकट करती है।
मेरे संकट के समय मैंने परमेश्वर को पुकारा, और उसने मुझे उत्तर दिया।
अधोलोक की गहराई से, मैंने सहायता के लिए पुकारा, और तूने मेरा रोना सुना।
पानी मुझे डुबा रहा था; मेरे सिर के चारों तरफ शैवाल लिपटा हुआ था। लेकिन हे मेरे प्रभु परमेश्वर, तूने मेरे जीवन को गड्ढे से ऊपर निकाल लिया है।
जो बेकार की मूर्तियों से लगाव रखते हैं, वे उस अनुग्रह को त्याग देते हैं जो उनका हो सकता है। लेकिन मैंने जो मन्नत मानी है उसे पूरा करूँगा; उद्धार परमेश्वर की ओर से आता है।

योना 2:1-9

तीन दनि और तीन रात बनिा भोजन और अँधेरे ने प्रभावति कयिा।
इस बार जब परमेश्वर ने बोला - योना आज्ञा मानने के लिए तैयार था।

अब परमेश्वर योना को उस कार्य को पूरा करने में मदद कर रहा था जो उसे मूल रूप से सौंपा गया था।

परमेश्वर का वचन तीसरी बार योना के पास पहुँचा।
बड़े शहर नीनवे में जा और इस सन्देश को पहुँचा जो मैं तुझे देता हूँ।
इस समय .... योना परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने और नीनवे शहर में जाने तथा प्रचार करने के लिए तैयार था।

परमेश्वर ने योना का ध्यान आकर्षति कयिा था....
...और वह दूसरों का ध्यान आकर्षति करेगा।
हमने मछली के पेट से बाहर आते देखा - उसकी तरफ देखो - वह उजला है।
उस मछली के पेट में होने की वजह से उसके साथ ऐसा हुआ है।
नीनवे में पैदल चलने वाला व्यक्ति लोगों का ध्यान आकर्षति कर रहा था।
योना के पास नीनवे तक पहुँचने के लिए अभी भी पहाड़ों और रेगिस्तानी मैदानों की एक लम्बी यात्रा थी। लेकनि इस बार वह आज्ञा मानने को तैयार था।
जैसे ही योना कस्बों और गाँवों से गुज़रा, ये बात फैल गई कि यह व्यक्ति समुद्र में से आया है।
अश्शूर के लोगों की पूजा की पसंदीदा वस्तुओं में से एक मछली-देवता दागोन था।
ये वही व्यक्ति है जसि बड़ी मछली के द्वारा उगल दयिा गया था।
क्या तुम्हें लगता है कि दागोन ने उसे भेजा है?

नीनवे शहर बहुत बड़ा था, इसके
आकार ने योना को चौंका दिया।

अश्शूरी लोग बहुत ज़्यादा हिसक थे - अपने शत्रुओं की जीभ बाहर
खींचने या जीवित उनकी खाल उतार कर और शहर की दीवारों पर
खाल को लटकते हुए छोड़ने के लिए जाने जाते थे।

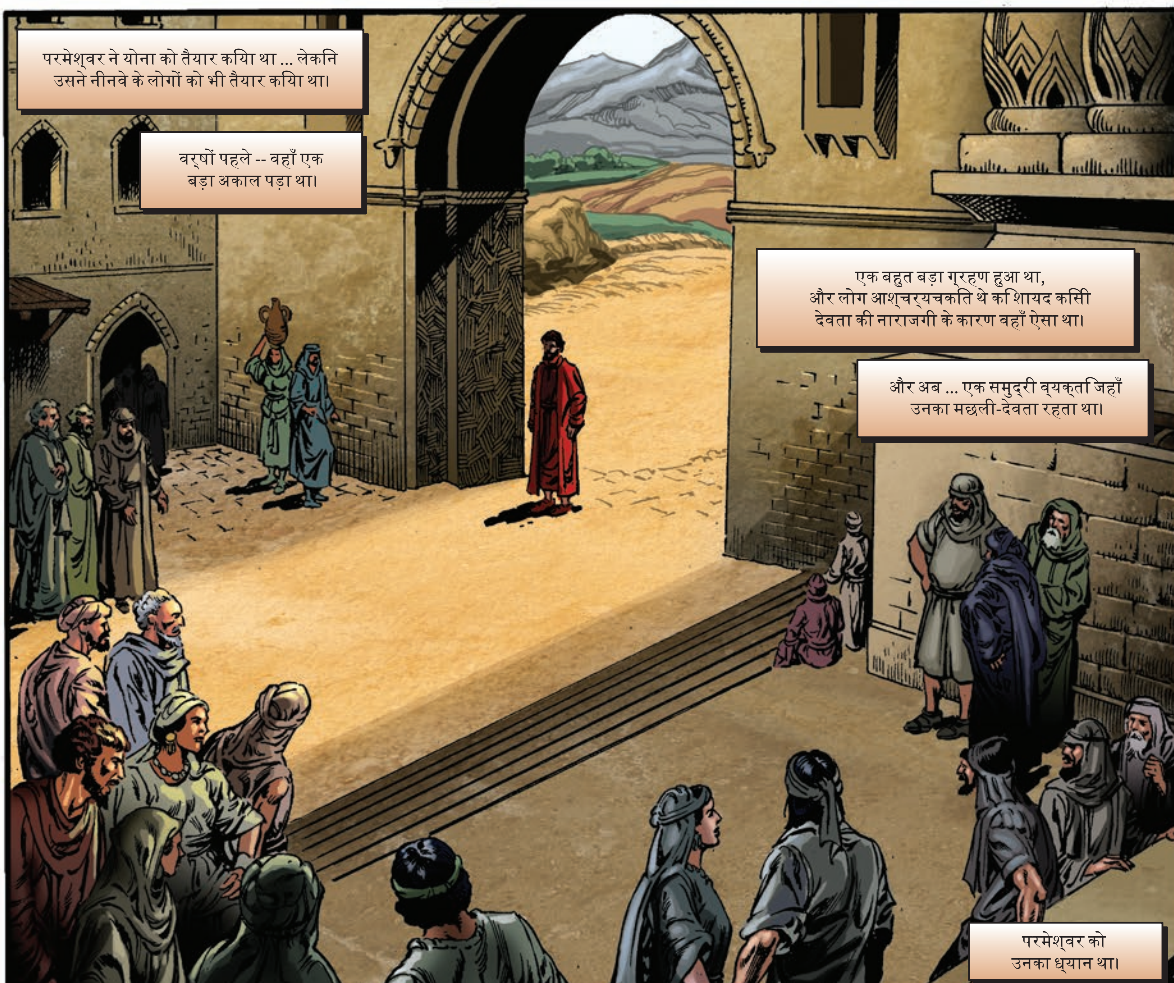
परमेश्वर ने योना को तैयार किया था ... लेकिन
उसने नीनवे के लोगों को भी तैयार किया था।
वर्षों पहले -- वहाँ एक
बड़ा अकाल पड़ा था।
एक बहुत बड़ा ग्रहण हुआ था,
और लोग आश्चर्यचकित थे कि शायद किसी
देवता की नाराजगी के कारण वहाँ ऐसा था।
और अब ... एक समुद्री व्यक्ति जहाँ
उनका मछली-देवता रहता था।
परमेश्वर को
उनका ध्यान था।

समुद्री वृयक्त शहर के द्वार पर है।
वे कहते हैं कि उसके पास परमेश्वर का संदेश है।
असामान्य परस्थितियों में शहर पहुँचे इस व्यक्ति के इस संदेश को सुनने के लिए नीनवे के लोग एकत्र हो गए।
परमेश्वर का वचन सुनों।
तुम्हारी हसि और रक्तपात स्वर्ग के परमेश्वर के कानों तक पहुँच गया है।
उसने फैसला कयिा है कि चालीस दिनों में नीनवे को उलट दयिा जाएगा!
यह इब्री भवषि्यद्वक्ता कहता है कि हम मनुष्यों द्वारा बनाए देवताओं की पूजा न करें, बल्कि इब्री परमेश्वर की जसिने सभी चीजों को बनाया है।
वह यह भी कहता है कि हमारे शत्रुओं के खिलाफ हमारी हसि ने इब्री परमेश्वर को क्रोधति कर दयिा है।
और?
और यदि हम पश्चाताप नहीं करेंगे तो इब्री परमेश्वर हमारे शहर को नाश कर देगा – ठीक वैसे ही जैसे उसने सदोम और अमोरा के शहरों को नष्ट कयिा था।

चालीस दिन और
नीनवे उलट दिया जाएगा!
लेकिन तब पूरे इतिहास में सबसे
आश्चर्यजनक चीजों में से एक होगा...
राजा और उसके मंत्रियों की ओर
से यह आदेश है: न मनुष्य और न पशु,
अपने मुँह में अनाज का दाना भी नहीं
चखेंगे। उन्हें न भोजन खिलाओ न पानी
पिलाओ। लेकिन हर एक मनुष्य और पशु
अपने शरीर पर टाट के वस्त्र लपेटे। और
उन्हें परमेश्वर को जोर से
पुकारने को कहो।
हर कोई अपने बुरे मार्गों
से फिरे और अपने हाथों से
होनेवाली हिसा को दूर करे।
कौन जाने?
परमेश्वर अभी भी तरस खा
सकते हैं और अपने क्रोध को शान्त
कर सकते हैं, ताकि हम नाश न हों।
नीनवे के राजा ने यह घोषणा जारी
की और नीनवे के लोगों ने इसका
पालन किया - सबसे बड़े से...
....छोटे तक।

लेकिन जब योना ने परमेश्वर के द्वारा नीनवे को नष्ट किए जाने का इंतजार a, जैसा कि उसने कहा था कि वो करेगा, उसने कुछ अलग अनुभव किया।
जब परमेश्वर ने देखा कि नीनवे के लोगों ने वास्तव में पश्चाताप किया है और अपने बुरे मार्गों से फिर गए हैं, तो उसे तरस आया और जो विनाश करने के लिए उसने ठाना था उन पर नहीं लाया।

हे प्रभु, क्या यह वह नहीं है जो मैंने तब कहा था जब मैं घर पर था?
यही कारण था कि मुझे तर्शीश भागने की इतनी जल्दी थी। मैं जानता था कि तू एक दयालु और तरस खानेवाला परमेश्वर है, जो क्रोध में धीमा है और प्रेम से भरा है, एक ऐसा परमेश्वर जो विपत्ति से बचाता है।
अब, हे प्रभु, मेरे प्राणों को छीन ले, क्योंकि मेरे लिए जीने से मर जाना अच्छा है।
क्या तुझे गुस्सा होने का कोई अधिकार है?

योना बाहर गया और शहर के पूरब में एक स्थान पर बैठ गया।
वहाँ उसने खुद के रहने के लिए आश्रय बनाया, उसकी छाया में बैठ गया, और यह देखने के लिए इंतजार करने लगा कि शहर का क्या होगा।

तब प्रभु परमेश्वर ने योना के
सरि की तरफ छाया देने के लिए और
उसकी बेचैनी को दूर करने के लिए
एक दाखलता को उगाया....
....और योना दाखलता
के कारण बहुत खुश था।

योना 4:6

योना 4:7

जब सूरज नकिला, परमेश्वर ने पूर्व की ओर से गर्म हवा चलाई,
और सूरज की करिणें योना के सरि पर पड़ी इसलिए वह मुर्छति होने लगा।
वह मर जाना चाहता था।
मेरे लिए जीने से मरना भला होगा।
तेरा दाखलता के लिए क्रोधति होने का कोई अधकिार है?
मैं करूँगा। मैं क्रोधति हूँ बस मरना चाहता हूँ।
तू इस दाखलता के वषिय में चतिति है, जसि तूने न लगाया और न बढ़ाया। यह एक रात में उत्पन्न हुआ और एक ही रात में नष्ट हो गया।
लेकनि नीनवे में एक लाख बीस हज़ार लोग हैं जो अपने दाएँ और बाएँ हाथ के वषिय नहीं बोल सकते हैं, और बहुत सारे जानवर भी।
क्या मुझे इस बड़े शहर की चतिा नहीं करनी चाहिए?
योना इस्राएल लौट आया लेकनि महत्वपूर्ण सबक सीखा कि परमेश्वर एक दयालु परमेश्वर है - जो सभी लोगों की परवाह करता है।

योना 4:8-11

790 साल के बाद एक महान भविष्यिद्वक्ता,
यीशु मसीह ने, योना की सच्ची कहानी को प्रस्तुत
कयिा और सच मानते हुए उसकी पुष्टि की।
शक्षिक, हम तेरे
द्वारा एक चमत्कारकि
चन्हि देखना चाहते हैं।
एक बुरी और व्यभचिारी
पीढ़ी एक चमत्कारकि
चन्हि माँगती है!
लेकनि योना
भविष्यिद्वक्ता के चन्हि
को छोड़ और कोई चन्हि
नहीं दयिा जाएगा।
जसि तरह से योना एक बड़ी मछली के पेट
के अन्दर तीन दनि और तीन रात रहा....
.....उसी तरह मनुष्य का पुत्र भी पृथ्वी
के अन्दर तीन दनि और तीन रात रहेगा।

मत्ती 12:38-40

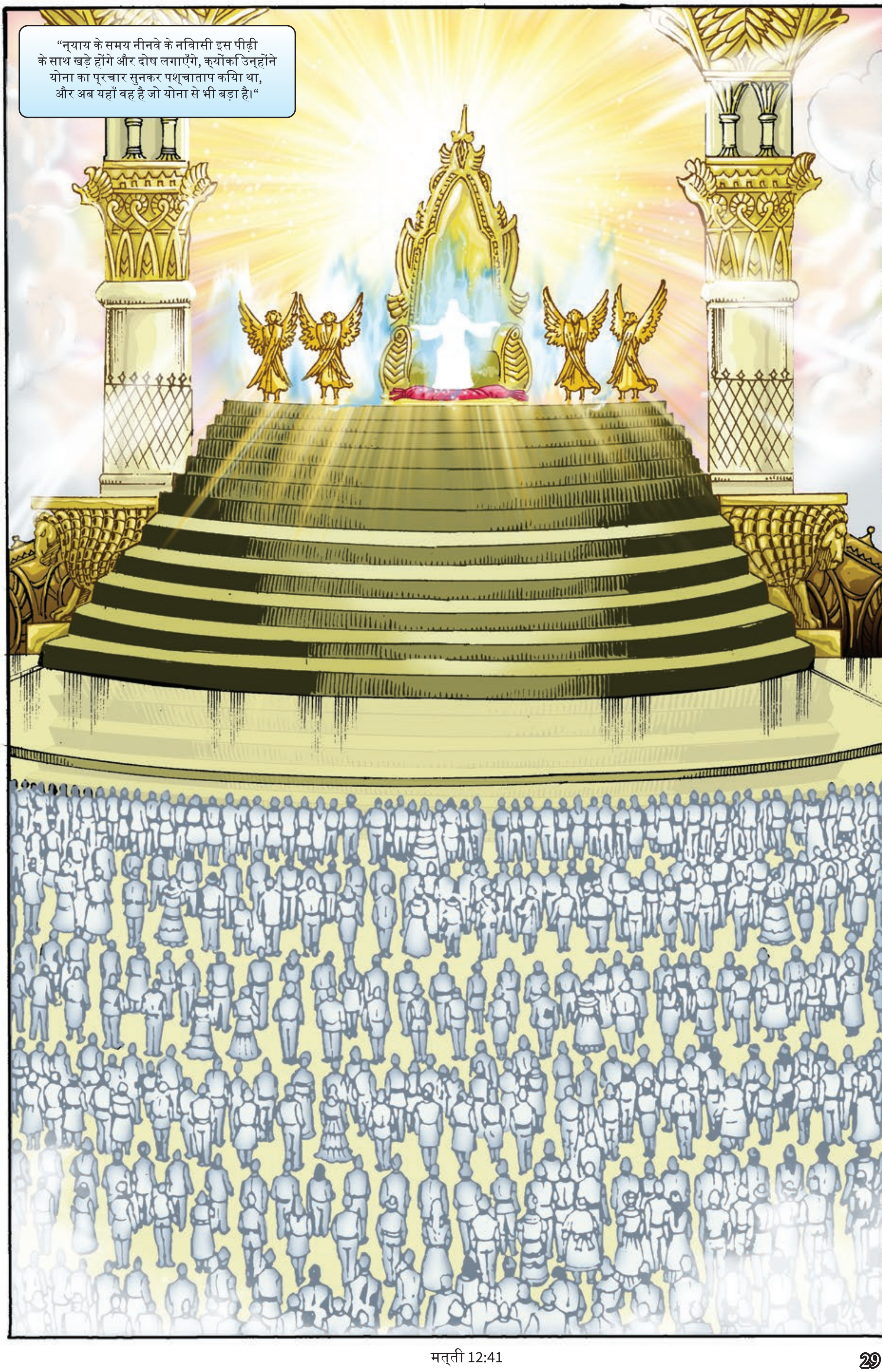
"न्याय के समय नीनवे के नविासी इस पीढ़ी के साथ खड़े होंगे और दोष लगाएँगे, क्योंकि उन्होंने योना का प्रचार सुनकर पश्चाताप कयिा था, और अब यहाँ वह है जो योना से भी बड़ा है।"

मत्ती 12:41

SUPERBIBLE.TV